मूँग
(GREEN GRAM)

मूँग में उच्च गुणवत्ता की 25 प्रतिशत प्रोटीन पायी जाती है। मूँग का हरी खाद के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। दलहनी फसल होने के कारण मूँग की ग्रन्थि युक्त जड़ों में वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण होता है। मूँग की खेती खरीफ एवं जायद दोनों ऋतुओं में की जाती है, परन्तु जायद मूँग में खरीफ की अपेक्षा कम कीट–बीमारियाँ, अच्छी धूप से अधिक फलियाँ एवं फलियाँ बनते समय वर्षा न होने से अधिक उपज प्राप्त होती है।

प्रजातियाँ

टा0–44, पन्त मूँग –1, पन्त मूँग –2, पन्त मूँग –3, पन्त मूँग –4, नरेन्द्र मूँग–1, मालवीय जागृति, पी.डी.एम.–11, पी.डी.एम.–54, पी.डी.एम.–84, पूसा –105, पूसा रत्ना, पूसा विशाल (एक साथ पकना), पूसा– 9531 (एक साथ पकना) व मालवीय कल्याणी

बीज एवं बोआई

बोआई का समय	बीज दर (प्रति हेक्टेयर)	बीज शोधन	बोआई की दूरी
खरीफ मूँग : 15 जून - 15 जुलाई	12-16 किलोग्राम	राइजोबियम कल्चर द्वारा बीज उपचार	30-45X8-10 सेंमी, गहराई : 4-5 सेमी
जायद मूँग : 15 मार्च - 10 अप्रैल	20-25 किलोग्राम		25-30X5-6 सेंमी,

पूसा विशाल व पूसा– 9531 प्रजातियों की बोआई अधिकतम 20 अप्रैल तक कर सकते हैं। इसके बाद बोआई करने पर गर्म हवा के कारण फूल गिर जाते हैं और फलियाँ नहीं बनती हैं।

mo|jd i|cU/ku

ckvkb d le; ¼ifr gO½	32 fdykxke ;fj;k	250 fdykxke ,l-,l-ih-	&

मूँग में प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम डी.ए.पी. प्रयोग करने से भी पोषक तत्वों की आवश्यकता पूरी हो जाती है।

जल प्रबन्धन

खरीफ में वर्षा न होने पर आवश्यकतानुसार तथा जायद में बोआई के 25–30 दिन बाद पहली सिंचाई, पुनः 10–15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिये। फलियाँ बनते समय नमी की कमी नहीं होनी चाहिये। खरीफ मूँग में जल–निकास की उचित व्यवस्था होना आवश्यक है।

खरपतवार नियन्त्रण

खरपतवार नियन्त्रण हेतु बोआई के 20–25 दिन बाद पहली, फिर 35–40 दिन पर दूसरी निराई करें। अथवा बोआई के दो दिन के अन्दर पेन्डीमेथीलीन की 3.0 लीटर मात्रा 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

एकीकृत रोग–कीट प्रबन्धन

पीला मोजैक : सफेद मक्खी से फैलने वाले इस रोग में पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पड़ जाते हैं। बाद में पत्तियाँ पीली पड़ जाती है।

प्रबन्धन : इस रोग की रोकथाम हेतु रोगग्रस्त पौधों को निकालकर मेटासिस्टाक्स या रोगोर की एक लीटर मात्रा 600 लीटर पानी में घोलकर 10–15 दिनों के अन्तराल पर 3–4 छिड़काव करें।

फली छेदक कीट : फली छेदक कीट की सूड़ियाँ फलियाँ में दाना पड़ते समय फली में छेदकर दाने को खा जाती हैं।

प्रबन्धन : फली छेदक कीट की रोकथाम हेतु इण्डोसल्फान 35 ई.सी. या क्यूनालफास 20 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिये

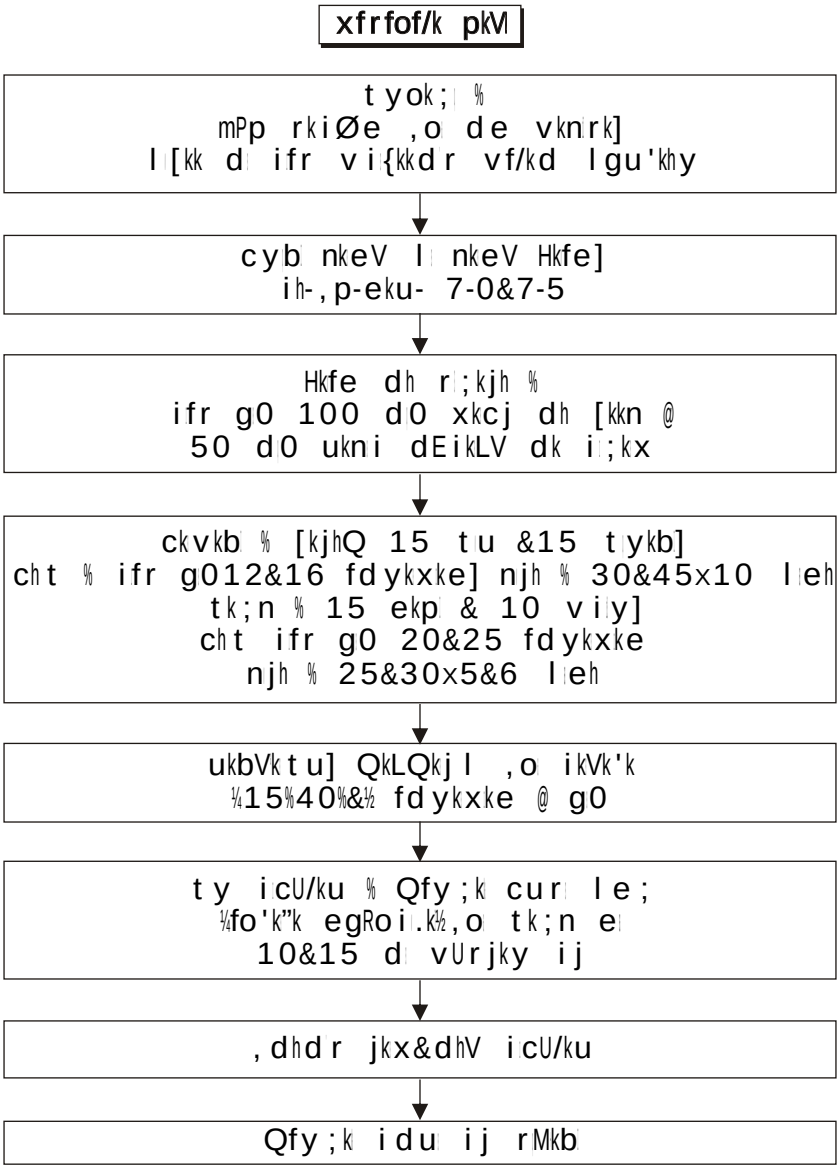

xfrfof/k pkV

t yok; %
mPp rkiØe ,o de vknrk]
l[kk d ifr vi{kkdr vf/kd lgu'khy

↓

cyb nkeV l nkeV Hkfe]
ih-,p-eku- 7-0&7-5

↓

Hkfe dh r;kjh %
ifr g0 100 d0 xkcj dh [kkn @
50 d0 ukni dEikLV dk i;kx

↓

ckvkb % [kjhQ 15 tu &15 tykb]
cht % ifr g012&16 fdykxke] njh % 30&45x10 leh
tk;n % 15 ekp & 10 viy]
cht ifr g0 20&25 fdykxke
njh % 25&30x5&6 leh

↓

ukbVkstu] QkLQkjl ,o ikVk'k
¼15%40%&½ fdykxke @ g0

↓

ty icU/ku % Qfy;k cur le;
¼fo'k"k egRoi.k½,o tk;n e
10&15 d vUrjky ij

↓

,dhdr jkx&dhV icU/ku

↓

Qfy;k idu ij rMkb

ifr gDV;j e|x mRiknu dk vk;&0;; ¼o"k 2009½

mRikn	mit ¼d0@g0½	fod; nj ¼:0@d0½	lEi.k vk; ¼:0@g0½	mRiknu ykxr ¼:0@g0½	'k) vk; ¼:0@g0½	ykHk ykxr vuikr
[kjhQ ex	9	2520	22680	11000	11680	2-1%1
tk;n ex	11	2520	27720	13000	14720	2-1%1

प्रति हेक्टेयर औसत उपज खरीफ में 8–10 कुन्टल व जायद में 10–12 कुन्टल प्राप्त होता है। उपरोक्त के अतिरिक्त मूँग को हरी खाद के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।